CALL@7235808541

An initiative of VISIONIAS
Galaxy
Achieve Your Goal

नीलमणि फूकन

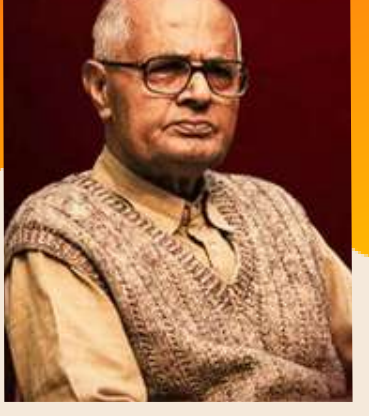

चर्चा में क्यों ?

असमी भाषा के जाने-माने कवि और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित नीलमणि फूकन का निधन हो गया है।

जीवन परिचय

- फूकन का जन्म 10 सितंबर 1933 को असम के गोलाघाट जिले के डेरगांव में हुआ था।
- उन्होंने 1961 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से इतिहास में मास्टर डिग्री प्राप्त की।

उपलब्धियाँ

- श्री फूकन असम के सर्वाधिक सम्मानित कवि थे और उन्हें 11 अप्रैल 2022 को गुवाहटी में वर्ष 2021 के देश के सबसे बड़े साहित्यिक पुरस्कार ज्ञानपीठ सम्मान से पुरस्कृत किया गया था।
- उनकी प्रमुख रचनाओं में जुरिया हेनू नामी आहे ई नोडिएडी, कबिता और गुलापी जामूर लागना शामिल हैं।

उपलब्धियाँ

- उन्हें 1981 में कविता संग्रह कबिता के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी नवाजा गया था।
- भारत सरकार ने 1990 में श्री फूकन को पद्मश्री से सम्मानित किया था।
- इसके अतिरिक्त असम साहित्य सभा द्वारा उन्हें 'साहित्याचार्य' सम्मान से सम्मानित किया गया था।